M.A. 1st Semester Examination, 2019

HINDI

PAPER—HIN-102

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 × 4

(*क*) कबीर की वाणी का संकलन किस नाम से किया गया है ? इसके संकलनकर्ता(सं.) का नाम बताइए ।

(*ख*) 'संत असंतन्हिं कै असि करनी' पंक्ति के रचनाकार का नाम एवं उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए ।

(*ग*) *सुजान* का क्या अर्थ है ? घनानंद की किसी एक रचना का नाम लिखिए ।

(घ) 'सूरसागर' की कथा किस ग्रन्थ से ली गई है ? और यह कथा किस भाग में संकलित है ?

(ङ) विद्यापति किस उपाधि से विभूषित थे ? उनके द्वारा रचित किसी एक रचना का नाम लिखिए ।

(च) मीरा की काव्य-भाषा क्या हैं ? उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए ।

(छ) तुलसीदास एवं सूरदास पर लिखित एक-एक आलोचनात्मक पुस्तक का नाम लिखिए ।

(ज) कबीर एवं घनानन्द किस शासक के समकालीन थे ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के यथानिर्देश उत्तर लिखिए : 4×4

(क) विद्यापति के काव्य में वर्णित भक्ति-भावना को संक्षेप में लिखिए ।

(ख) "संतौ भाई आई ज्ञान की आँधी रे ।
भ्रम की टाटी सबै उडाणी, माया रहै न बाँधी ।
हित चित की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा ।
त्रिस्नां छानि परि घरि ऊपरि, कुबधि का भाँडाँ फूटा ।
जोग जुगति करि संतौ बांधि निरचू चुवै न पाँणी ।"

— प्रस्तुत अवतरण का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(*ग*) "माई साँवरे रंग राँची ।
साज सिंगार बाँध पग घूंघर, लोक लाज तज णाँची ।
गयाँ कुमत लयाँ साधाँ संगत, स्याम प्रीत जग साँची ।
गायाँ गायाँ हरि गुण निसदिन, काल व्याल री बांची ।"

— प्रस्तुत अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(*घ*) "लरिकाई को प्रेम, कहौ अलि कैसे करिकै छूटत ?
कहा कहौ ब्रजनाथ चरित अब अंतरगति यों लूटत ।
चंचल चाल मनोहर चितवनि, वह मुसुकानि मंद धुनि गावत ।
नटवर भेष नंद नंदन को वह बिनोद गृह वन ते आवत ।"

— प्रस्तुत पद्यखण्ड के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।

(*ङ*) तुलसी की भक्ति भावना पर संक्षेप में विचार कीजिए ।

(*च*) "सजनी, भल कए पेखल न भेल
मेघ माल सँग तड़ित-लता जनि, हिरदय सेल दए गेल ।
आध आँचर खस आध बदन हँस, आधिहिँ नयन तरंग ।
आध उरज हेरि आध आंचर तरे, तबधरि दगधे अनङ्ग ।"

— इस अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(*छ*) घनानंद की काव्यगत विशेषतायों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

(*ज*) मीरा की विरह-भावना को स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8 × 2

(*क*) पठित अंश के आधार पर 'तुलसी' के राम-राज्य पर विचार कीजिए ।

(*ख*) सूरदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए ।

(*ग*) घनानंद 'प्रेम के पीर के गायक हैं' इस कथन पर सोदाहरण विचार कीजिए ।

(*घ*) पठित पदों के आधार पर कबीर के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए ।